Impact Factor 6.261 ISSN- 2348-7143

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOW ASSOCIATION'S

RESEARCH JOURNEY

UGC Approved Multidiciplinary international E-research journal

PEER REFREED & INDEXED JOURNAL

January 2019 Special Issue – 91

जनसंचार एवं तकनीकी के क्षेत्र में हिंदी की उपादेयता

Chief Editor
Dr. Dhanraj T. Dhangar
Assist. Prof. (Marathi)
MGV'S Arts & Commerce college,
Yeola, Dist. Nashik (M.s.) India

Executive Editor of this Issue
Dr. Anil Kale
Asso. Prof. & Head of Hindi Dept.
GM'S Arts, Commerce & Science College,
Narayangaon, Tal. Junnar, Dist. Pune

SWATIDHAN INTERNATIONAL PUBLICATIONS
Visit to - www.researchjourney.net

Generated by CamScanner

Scanned with CamScanner

RESEARCH JOURNEY International Multidisciplinary E-Research Journal
Impact Factor - (SJIF) - 6.261, (CIF) - 3.452, (GIF) -0.676
Special Issue 91 , जनसंचार एवं तकनीकी के क्षेत्र में हिंदी की उपादेयता
January 2019
ISSN 2348-7143
UGC Approved No. 40705

इंटरनेट वेबसाईट और हिंदी

डॉ. बाबासाहेब दौलत गव्हाणे
सहायक प्राध्यापक, दादा पाटील महाविद्यालय, कर्जत, जिला- अहमदनगर

वर्तमान युग को "सूचना-क्रांति" का युग कहा जाता है। संचार का व्यवसाय, उद्योग, वाणिज्य के साथ गहरा संबन्ध है। जैसे-जैसे सामाजिक जगत का विकास होता है वैसे लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप संचार माध्यमों की नवीन प्रणाली विकसित की जाती है। वैश्वीकरण के इस युग में समाज का विकास एवं संचार विकास एक-दूसरे के पूरक है। अठारहवीं शताब्दी तक पत्रवाहक ही संचार के पर्याय माने जाते थे। उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में फोटोकॉपी, रेडिओ, टेलीविजन आदि संचार साधनों का प्रयोग होने लगा। किंतु उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में संचार के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल आदि तकनीकों ने एक नये युग का सूत्रपात किया। आज समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, दूरदर्शन, इलेक्ट्रॉनिक- टाईपरायटर, टेलेक्स, वर्ड प्रोसेसर, कंम्प्यूटर, इंटरनेट, ऑफसेट, ई-मेल, उपग्रह संचार, सी डी कॉम्पेक्ट डिस्क, कम्प्यूटर फ्लॉपी एवं विविध चैनलों ने संचार का कार्य शक्तिशाली और तीव्र बना दिया है। संचार प्रौद्योगिकी की उन्नति ने देश की अर्थव्यवस्था और मानव-जीवन पर गहरा असर डाला है। यह कहना असंगत न होगा कि "सूचना और सूचना प्रौद्योगिकी वर्तमान युग के मार्गदर्शक है।" (Information and information Technology are the new drivers of this Age)

आज के प्रमुख जन-संचार माध्यमों में 'कम्प्यूटर' का महत्त्व अक्षुण्ण है। संपूर्ण विश्व में कम्प्यूटर नेटवर्क, इंटरनेट के द्वारा तात्कालिक सूचनाओं एवं आकड़ों का आदान-प्रदान किया जाता है। इंटरनेट के द्वारा ई-मेल भी प्राप्त की जा सकती है तथा अलग-अलग स्थानों पर बैठे लोग आपस में 'वीडिओ कॉन्फ्रेंसिंग' भी कर सकते है, क्योंकी हिंदी 'जन-भाषा' होने के साथ 'संचार की आत्मा' है। आज सभी जन-संचार माध्यमों में हिंदी का प्रसार हुआ है। इंटरनेट भी इससे अछूता नहीं है। इंटरनेट पर आज विभिन्न समाचार-पत्र तथा साहित्यिक-सामग्री उपलब्ध है। विभिन्न इंटरनेट वेबसाईटों पर हिंदी सहित प्रमुख भारतीय भाषाओं का ज्ञान प्रस्तुत किया गया है। शासकीय, अर्धशासकीय तथा व्यक्तिगत प्रयासों के फलस्वरूप आज कई वेबसाईटों पर हिंदी का ज्ञान, ई-मेल, सॉफ्टवेयर, विविध पैकेज उपलब्ध है। प्रस्तुत है उन वेबसाईटों की जानकारी है, जो हिंदी विकास एवं प्रचार-प्रसार में अहम भूमिका निभाती है-

1. www.cdacindia.com- 'सूचना मंत्रालय, भारत सरकार ने इस साईट का निर्माण किया है। इस साईट पर हिंदी सहित भारतीय भाषाओं के सॉफ्टवेयर, तकनीकी-अद्यतनीकरण विकास से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई है। हिंदी, संस्कृत, मराठी, कोंकणी, बंगाली, तमिल आदि भाषाओं के विकास तथा प्रचार एवं प्रसार के लिए यह वेबसाईट विशेष अभियान चलाती है। इस साईट के अथक प्रयास से ही हिंदी 'विश्व-भाषा' की ओर अग्रसर है।
2. www.dol.nic.in- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने 'राजभाषा हिंदी' को इस वेबसाईट को विकसित किया है। इस साईट पर राजभाषा हिंदी से संबंधित सूचना, नियम, अधिनियम, वार्षिक-कार्यक्रम, तिमाही अर्द्धवार्षिक, वार्षिक, विवरण, हिंदी सॉफ्टवेयर के विविध प्रयोग-पैकेज आदि महत्त्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है।
3. www.tdil.gov.in - सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने भारतीय भाषाओं के विकास हेतु 'Technology Development for Indian Languages' नामक साईट का सूत्रपात किया। साईट पर राजभाषा हिंदी के विकास से संबंधित सॉफ्टवेयर, तकनीकी तथा अनुसंधानरत संगठनों, संस्थाओं की जानकारी के साथ भारत सरकार की योजना-भाषा 2010, सरकार की भूमिका एवं प्रयास आदि की जानकारी उपलब्ध है। इस साईट की "विश्व भारत" नामक पत्रिका ने इस साईट को अत्यंत लोकप्रिय बनाया है।
4. www.rajbhasha.com - राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की इस वेबसाईट पर राजभाषा हिंदी से संबंधित नियम, अधिनियम, साहित्य, व्याकरण, शब्दकोश, पत्रकारिता, तकनीकी सेवा, हिंदी- ज्ञान पैकेज, हिंदी-रचना संस्कार आदि सेवाएँ उपलब्ध कराई गई है। इस साईट पर राजभाषा हिंदी के विकास हेतु कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।
5. www.microsoft.com/india/hindi2000- विश्वविख्यात माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने हिंदी भाषा के विकास के लिए एम.एस. ऑफिस 2000 पैकेज विकसित किया है। इसमें चार्टिंग (ग्राफिक्स) समाचार-पत्र, सूचना-पत्र, ज्ञान-प्रबोध आदि से संबंधित जानकारी है।
6. www.indianlaguages.com- इस वेबसाईट पर हिंदी के साथ प्रमुख भारतीय भाषाओं के समाचार-पत्र, ई-मेल, साहित्य एवं साहित्येतर-सामग्री, सर्च-इंजन, भाषा की अद्यतन जानकारी उपलब्ध है। हिंदी भाषियों में यह साईट अत्यंत चर्चित है।
7. www.rosttastone.com- यह साईट हिंदी-सहित विश्व की सभी भाषाओं जानने, समझने एवं सीखने के लिए आवश्यक इलेक्ट्रॉनिक सुविधाएँ प्रदान करती है। इस साईट पर पर्यटकों को विश्व की 60 भाषाओं का ज्ञान देने हेतु Gold Portner V नामक 'डिजिटल डायरी' प्रस्तुत की गई है। यह डायरी पर्यटकों में भाषागत समझ एवं विश्व-प्रेम को बढ़ावा देती है।

Generated by CamScanner
Scanned with CamScanner

RESEARCH JOURNEY International Multidisciplinary E-Research Journal | January 2019 | ISSN 2348-7143 | UGC Approved No. 40705
Impact Factor - (SJIF) - 6.261, (CIF) - 3.452, (GIF) - 0.676
Special Issue 91 , कम्प्यूटर एवं तकनीकी के क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिता

8. www.dictionary.com - यह साइट विश्व में Word-Bank के नाम से प्रसिद्ध है। इस वेबसाइट पर हिंदी, अंग्रेजी, फ्रेंच सहित प्रमुख भाषाओं के शब्दकोश, अनुवाद, वेब डिरेक्टरी, थायरसेस ऑनलाईन, शब्दकोश, व्याकरण, व्युत्पत्ति कोश, शब्दों के विविध रूप, शब्दगत-भिन्नता आदि संकलन उपलब्ध है।

9. www.unl.ias.unu.edu - यह वेबसाईट टोकियो विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई है। इसपर हिंदी के साथ विश्व की 15 भाषाओं को विकसित एवं समृद्ध करने के उद्देश्य से अनुसंधान कार्य जारी है। Universal Net Working Languages नामक इस योजना में शब्दकोशों एवं अनुवाद कार्य पर बल दिया जाता है।

10. www.bharatdarshan.co.nz- न्यूजीलैण्ड में निवास करनेवाले मूल भारतीय लोगों ने इस साइट को विकसित किया है। इसपर हिंदी साहित्य तथा साहित्येतर-सामग्री प्रस्तुत की गई है। जैसे-उपन्यास, कहानी, कविता, नाटक, व्याकरण आदि।

11. www.cstt.nic.in- वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार द्वारा इस साइट को विकसित किया गया है। इसपर हिंदी, अंग्रेजी के प्रशासनिक शब्दकोश, विभिन्न विषयों के तकनीकी शब्दकोश प्रस्तुत किए गए है।

12. www.boloji.org- इस साइट पर हिंदी साहित्य-संस्कृति, कला इतिहास आदि से संबंधित पत्रिकाओं का संकलन प्रस्तुत किया गया है

13. www.gadnet.org- इस साइट पर हिंदी साहित्य का इतिहास, कथाएँ, कविताएँ, गीत, गजल आदि साहित्य उपलब्ध है।

14. www.ciil.org- केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, भारत सरकार ने हिंदी एवं सभी भारतीय भाषाओं के विकास हेतु इस साइट का निर्माण किया है। इस साइट के द्वारा सभी भारतीय भाषाओं में पारस्परिक आदान-प्रदान हो, इसके लिए भाषा-संस्कार, भाषा संचार, सूचना-प्रसार, अनुवाद आदि कार्य चलाये जाते है।

15. www.wordanywhere.com- इस साइट पर किसी भी अंग्रेजी शब्द का हिंदी समानार्थी शब्द तथा किसी हिंदी शब्द का समानार्थी अंग्रेजी शब्द प्राप्त किया जा सकता है।

16. manaskriti.com/kaavyaalaya- 'काव्यालय' वेबसाइट का निर्माण कुमार वाणी मुरारका ने किया है। इस साइट पर हिंदी कविताओं का अक्षुण्ण भंडार है। इसमें प्रमुखतः जयशंकर प्रसाद, निराला, पंत, मुक्तिबोध, महादेवी वर्मा आदि कवियों के काव्य संकलन उपलब्ध है।

17. http://surf.to/hina- इस साइट का आविष्कार कलकत्ता के ओमित कुमारी शर्मा ने 'हिंदी रचनाएँ' नाम से किया। इसपर हिंदी की प्रमुख रचनाओं का संकलन उपलब्ध है।

18. हिंदी में ई-मेल की सुविधाएं-

1. www.bharatmail.com
2. www.mailjol.com
3. www.danikjagran.com
4. www.webdunia.com
5. www.cdacmadia.com

इस प्रकार विभिन्न इंटरनेट वेबसाइटों ने हिंदी को विश्वभर में पहुँचा दिया है। वैश्वीकरण के इस युग में हिंदी के कारण इन वेबसाइटों को लोकप्रियता मिली है। आशा है, भविष्य में विकसित और समृद्ध वेबसाइटों के द्वारा हिंदी जन मानस की भाषा बनकर विश्वभाषा के रूप में विराजमान हो।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य - डॉ. रामप्रकाश त्रिपाठी, डॉ. पवन अग्रवाल।
2. हिंदी भाषा संरचना - डॉ. भोलानाथ मिश्र।
3. राष्ट्रभाषा (जनवरी-फरवरी, 2005)